सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम

1: नेशनल रिसर्च डिवेलपमेंट कारपोरेशन

2: सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल)

2. सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल)

2.1 परिचयः

सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। इसे देश की राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के व्यावसायिक दोहन के उद्देश्य से वर्ष 1974 में स्थापित किया गया था। सीईएल ऐसी कंपनियों में एक है जिसने अपने अस्तित्व के इन सभी वर्षों के दौरान घरेलू रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया है। यह कंपनी मुख्य रूप से राष्ट्रीय महत्व के रक्षा अनुप्रयोगों के कार्य–नीतिक संघटकों, रेलवे सुरक्षा उपकरणों और सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूलों एवं प्रणालियों के उत्पादन का कार्य करती है।

कंपनी ने अपने स्वयं के अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के माध्यम से एवं रक्षा प्रयोगशालाओं सहित प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के घनिष्ट सहयोग से देश में पहली बार कई उत्पादों का विकास किया है। इन सभी प्रयासों को मान्यता देते हुए सीईएल को न केवल डीएसआईआर की एक मान्यताप्राप्त अनुसंधान एवं विकास विभाग की कंपनी होने का गौरव प्राप्त है, बल्कि 'डीएसआईआर द्वारा आर एंड डी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' सहित कई बार प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।

सीईएल ने राज्य सरकारों के माध्यम से रेलवे, दूरसंचार, पुलिस, बिजली उत्पादन और वितरण कंपनियों, ऊर्जा क्षेत्र में सेवा प्रदाताओं, सार्वजनिक वित्तपोषित संस्थानों और ग्रामीण समुदायों के क्षेत्रों में भी विभिन्न हितधारकों और व्यावसायिक सहयोगियों के साथ पहले से ही साझेदारी और संबंध स्थापित किए हैं। सीईएल द्वारा अपने उत्पाद आधार और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के अपने दर्जे के अनुसार अपनी अनुभवी मानवशक्ति से इस अद्वितीय क्षमता का लाभ उठाते हुए सीईएल द्वारा मौजूदा विपणन माध्यमों का समेकन और विस्तार किया जा रहा है।

सीईएल के नवीनीकृत अधिदेश में (i) सौर ऊर्जा प्रणालियों और समाधान (ii) रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा के लिए अपेक्षित कार्य–नीतिक इलेक्ट्रॉनिक संघटक और प्रणालियां (iii) सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों में संकेतन और सुरक्षा (iv) अवसंरचना, पारिस्थितिक–प्रणाली प्रबंधन एवं ऊर्जा संरक्षण और (v) सामरिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा और निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी का विकास व दोहन करना शामिल है। सीईएल, देश के रक्षा संगठनों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई रणनीतिक इलैक्ट्रॉनिक संघटकों के उत्पानदन और प्रोप्राईटरी उत्पांदन के विभिन्न क्षेत्रों में देश का अग्रणी संस्थाीन रहा है।

2.2 परिचालन परिणाम

वित्तीय वर्ष 2018–19 के दौरान कंपनी का कार्य–निष्पादन निम्नानुसार रहा हैः–

(करोड़ रूपए)

वर्ष	2017–18	2018–19
उत्पादन	211.05	229.73
बिक्री	221.27	232.55
सकल मार्जिन	39.95	11.69
सकल लाभ	35.83	7.21
कर–पूर्व लाभ (पीबीटी)	13.37	4.07
कर–पश्चात् निवल लाभ (पीएटी)	21.70	1.69

डॉ. शेखर सी. मांडे, महानिदेशक सीएसआईआर और सचिव डीएसआईआर ने सीईएल के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ नलिन सिंघल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सीईएल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित किया।

2.3 प्रमुख उपलब्धियां (2018–19)रू

- कम्पनी ने 229.73 करोड़ रूपए का उत्पादन किया एवं 232.55 करोड़ रूपए का टर्न ओवर किया।
- माइक्रोवेव इलैक्ट्रॉनिक्स प्रभाग (एमईडी) ने वर्ष 2018–19 में 32.09 करोड़ रूपये की बिक्री और 37.31 करोड़ रूपये का उत्पादन किया जबकि पिछले वर्ष 86.46 करोड़ रूपये की बिक्री और 81. 06 करोड़ रूपये का उत्पादन हुआ था। कारोबार में गिरावट का मुख्य कारण आकाश मिसाइल कार्यक्रम के लिए फेज कन्ट्रोल मॉडयुल्स (पीसीएम) की आपूर्ति के लिए भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से आदेश प्राप्त न होना है।
- कंपनी ने पिछले वर्ष में 39.95 करोड़ रुपये की तुलना 11.69 करोड रुपये का सकल मार्जिन प्राप्त कर लिया है।
- कर–पश्चात् निवल लाभ पिछले वर्ष में 21.70 करोड़ रुपये की तुलना में 1.69 करोड रुपये हो गया।
- कंपनी ने प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की हैं जो इस प्रकार हैं:
  - क) कई प्रकार के सौर अनुप्रयोगों का विकास, जिसमें स्मार्ट ट्रीज, फलेक्सिबल सोलर पैनल्स, बीआईपीवी सोल्यूशन्सल, पोर्टेबल पावर प्लांट्स आदि शामिल हैं।
  - ख) हाई एफिशिएंसी सोलर सेल्स (उच्च दक्षता वाली सौर कोशिकाओं) का विकास।
  - ग) रेलवे संकेतन प्रणालियों के मौजूदा उत्पादों का उन्नयन और नए उत्पादों का विकास।
- विभिन्न प्रकार के घटकों एवं रक्षा आवश्यकताओं के लिए उप–प्रणालियों का विकास।

2.4 स्वच्छ भारत अभियान

सीईएल द्वारा स्वच्छ भारत अभियान पूरे मनोयोग से लागू किया गया। फैक्ट्री परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह की सफाई के लिए कर्मचारियों की भागीदारी से नियमित सफाई अभियान चलाए जाते हैं।

डॉ. शेखर सी. मांडे, महानिदेशक सीएसआईआर और सचिव डीएसआईआर ने डॉ. नलिन सिंघल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सीईएल, श्री बी एन सरकार, वैज्ञानिक जी, डीएसआईआर और अन्यों की उपस्थिति में बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम समर्पित किया।

2.5 भावी रणनीति भावी परिदृश्य और 2020 का दृष्टिकोण

सीईएल के (सौर फाटोवोल्टाइकी, रेलवे संकेतन प्रणालियों, एकीकृत सुरक्षा एवं निगरानी प्रणालियों एवं रक्षा इलैक्ट्रॉनिक्स) सभी चारों परिचालन क्षेत्र स्वतः उच्च संवृद्धि वाले एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं।

सौर फोटोवोल्टाइकी (एसपीवी)

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सौर मिशन के अन्तर्गत नवीकरणीय ऊर्जा के कार्यान्वयन के लक्ष्य को बढाकर वर्ष 2022 तक 175 गीयवट कर दिया गया है। कंपनी राष्ट्रीय सौर मिशन के अन्तर्गत और साथ ही साथ चौनल साझेदारी के माध्यम से ऑफ–ग्रिड/ग्रिड संयुग्मित विद्युत संयन्त्रों के द्वारा सौर फाटोवोल्टाइक व्यापार के संवर्धन हेतु प्रयास कर रही है। "स्वच्छ भारत अभियान" में देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सौर उर्जित जल पम्पिंग प्रणालियों की बड़ी आवश्यकता हैं।

भारत सरकार समग्र भारत में सोलर वाटर पम्पिंग के कार्यान्वयन पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रभाग ने अनुप्रयोग क्षेत्र में कदम रखा है और पेडल से चलने वाले सोलर ई–रिक्शा और फ्लोटिंग सोलर पैनल जैसे कई उत्पाद विकसित किए हैं। आशा है कि कंपनी उपरोक्त उत्पादों से खुद के लिए एक विशेष स्थान बनाने में सक्षम होगी।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कंपनी 'अटल ज्योति योजना के अधीन अखिल भारतीय आधार पर स्टेंड अलोन सोलर ऑफ ग्रिड एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम की आपूर्ति शीर्षक वाले अपने सबसे बड़े ऑफ ग्रिड ऑर्डर को एनर्जी एफिशिंएसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) से प्राप्त करने में सफल रही, जिसका कुल मूल्य 172.70 करोड़ रूपये है।

रेलवे सुरक्षा एवं संकेतन उपकरण

सीईएल विगत 30 वर्षों से रेलवे संकेतन उपकरणों यथा एनालॉग व डिजिटल एक्सल काउण्टरों एवं ब्लॉक संकेतन उपकरणों के डिजाइन एवं निर्माण में लगी हुई है।

भारतीय रेलवे सुरक्षा क्षेत्र एवं क्षमता संवर्धन/नई लाइनों के लिए बड़े निवेश की योजना बना रही है। उम्मीद है कि इससे संकेतन एवं नियन्त्रण उपकरणों की माँग बहुत बढ़ जायेगी। सीईएल अपने अनुसंधान एवं विकास कार्यों के साथ–साथ डीएसआईआर के सहयोग से इन क्षेत्रों में उत्पादन सुविधाओं का विकास भी कर रही है।

कार्य–नीतिगत इलैक्ट्रॉनिक्स

सीईएल ने रडार प्रणालियों के लिए फेज कन्ट्रोल मॉड्यूल (पीसीएम), हाई एक्सप्लोसिव एण्टी टैंक (एचईएटी) गोला बारूद हेतु पीजो फ्यूज असैम्बली आदि जैसे रणनीतिक इलैक्ट्रॉनिक्स संघटकों का विकास और उत्पादन किया है। कंपनी ने सीकर मिसाइलों के लिए सिरेमिक रेडोम हेतु डीआरडीओ/डीएमआरएल के साथ टीओटी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी विभिन्न नए उत्पादों से उत्पाद पोर्टफोलियो का और अधिक विस्तार करने के प्रयास कर रही है। सीईएल ने सीएसआईओ–सीएसआईआर के प्रोद्यौगिक सहयोग से नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए दिव्यनयन (टेक्सट टू ऑडियो कन्वर्सेशन यन्त्र) का उत्पादन आरंभ किया है।

सीईएल को हाल ही में लास्टेक डीआरडीओ से लैजर फेंसिंग सिस्टम का टी.ओ.टी. प्राप्त हुआ है और सीमा परिधि सुरक्षा के लिए इसका उत्पादन किया जा रहा है। इसके अलावा यह क्रॉस बॉर्डर इंटीग्रेशन सिस्टम (सीबीआईएमएस) बनाने में योगदान के लिए (क) भूमिगत सेंसर (ख) लम्बी दूरी वाले सर्विलांस (ग) थर्मल इमेजिंग कैमरा आदि की टी.ओ.टी. प्राप्त करने की प्रक्रिया में लगी हुई है, जो हमारी थल सीमाओं की सुरक्षा की एक प्रमुख अपेक्षा को पूरा करेगा।

एकीकृत सुरक्षा प्रणालियाँ

देश के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य ने सुरक्षा प्रणालियों (बैगेज स्कैनर्स, डीएफएमडी निगरानी उपकरण, आसूचना प्रणालियाँ, बम खोजी एवं निरोधक उपकरण आदि) को अत्यन्त संवृद्धि वाला क्षेत्र बना दिया है। इन क्षेत्रों में एक प्रतिष्ठित व विश्वस्नीय सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों की आवश्यकता है। कम्पनी इस क्षेत्र में भावी संवृद्धि हेतु महत्वपूर्ण कारोबारी क्षेत्र के तौर पर ध्यान दे रही है।

2.6 विदेशी मुद्रा अर्जन एवं व्यय

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, सीईएल ने कच्चे माल संघटकों एवं पुर्जों, पूंजीगत वस्तुओं, यात्रा एवं एजेन्सी कमीशन आदि की खरीद के लिए विदेशी मुद्रा में 7.06 करोड़ रूपये खर्च किए है जबकि पिछले वर्ष यह खर्च 15.4 करोड़ रूपये था। आपकी कंपनी द्वारा अपने उत्पादों के निर्यात से 0.74 करोड़ रूपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 2.21 करोड़ रूपये थी।

2.7 ऊर्जा संरक्षण

सीईएल ऊर्जा खपत में कमी लाने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है ताकि ऊर्जा संसाधनों का अधिकतम उपयोग एवं कम्पनी के लागत मूल्य में कमी की जा सके। 'उर्जा की बचत उर्जा का उत्पादन है' इस दृष्टिकोण का अनुपालन करते हुए कंपनी ने कई बहुआवासीय सौर फोटोवोल्टैक विद्युत संयंत्रों की स्थापना और शुरूआत की है, जिसकी कुल क्षमता 1.3 मेगावाट पावर है। कुल विद्युत खपत में नवीकरणीय उर्जा का हिस्सा मार्च 2019 के दौरान 60 प्रतिशत बढ़ गया।

सीईएल उत्तर प्रदेश में 33 केवी आपूर्ति वोल्टेयज पर नेट–मीटरिंग स्थापित करने वाली पहली उपभोक्ता बन गई है। सीईएल में स्थापित 1.3 मेगावाट पावर सौर फोटोवोल्टिक विद्युत संयंत्रों के लिए निवल मीटरिंग प्रणाली सौर ऊर्जा संयंत्रों के माध्यम से उत्पन्न होने वाली अधिशेष विद्युत का यूपीपीसीएल ग्रिड को निर्यात करती है। इसके अलावा इसने पिछले चार वर्षो की तुलना में डीजल की खपत में भारी कमी की है।

2.8 कर्मचारियों का विवरण:

कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियमावली के नियम 5(2) एवं 5(3) के साथ गठित अधिनियम की धारा 197(12) के उपबंधों के अनुसार, सीईएल के किसी भी कर्मचारी, चाहे वह पूरे वर्ष या वर्ष के किसी भाग के लिए नियोजित था, को नियमावली में निर्धारित न्यूनतम पारिश्रमिक से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त नहीं हुआ।

तथापि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के उपबंधों एवं उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार सरकारी कम्पनियों को कर्मचारियों के ब्योरे समाहित किए जाने से छूट प्राप्त है।

2.9 हिंदी का कार्यान्वयन, औद्योगिक संबंध:

सीईएल ने प्रेरणा और प्रोत्साहन के माध्यम से सरकार की राजभाषा नीतियों को निरंतर लागू किया है। कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में हिन्दी के प्रयोग के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। 14.09.2018 से 13.10.2018 तक हिन्दी माह का आयोजन भी किया गया।

हिन्दी माह के दौरान, हिन्दी और गैर–हिंदी क्षेत्रों से संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए सामान्य ज्ञान, कविता और हिंदी भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। "हमारा सीईएल" नाम की इन–हाउस हिंदी पत्रिका भी प्रकाशित की गई है। सीईएल की वार्षिक रिपोर्ट भी डीपीई दिशानिदेशों के अनुपालन में नियमित रूप से द्विभाषिक रूप से प्रकाशित की जाती है और कर्मचारियों को शासकीय पत्राचार में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

2.10 आरक्षित श्रेणियों का कल्याण

सीईएल द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग जनों, भूतपूर्व सैनिकों आदि जैसी आरक्षित श्रेणियों से संबंधित सभी सरकारी निर्देशों का पालन किया जाता है।

2.11 सूचना का अधिकार अधिनियम का कार्यान्वयन

भारत सरकार ने सार्वजनिक प्राधिकरणों के काम में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के प्रयोजन से सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई), 2005 को लागू किया है। सीईएल ने आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए कम्पंनी में आवश्यक संरचना बनाई है। इसके लिए एक सूचना अधिकारी की नियुक्ति की गई है और आरटीआई अधिनियम के विभिन्न उपबन्धों को सुचारू रूप से लागू करने के लिए एक अपीलीय प्राधिकारी को पदनामित किया गया है। इसकी आवश्यक जानकारी कम्पनी की वेबसाइट wwwAcelindiaAcoAin पर भी डाली गई है। वर्ष (2018–19) के दौरान आरटीआई अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत 68 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 62 आवेदनों का जवाब दे दिया गया और 6 आवेदनों को अस्वीकार कर दिया गया।

2.12 नियोजित कर्मचारियों की संख्या सहित मानव संसाधन, औद्योगिक सम्बन्धों में महत्ववपूर्ण विकास

वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध निरन्तर सामंजस्यपूर्ण बने रहे। सीईएल ने अपने कर्मचारियों और अधिकारियों को उनके सम्बन्धित क्षेत्र के कार्य के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया, जो कर्मचारियों के विकास और उन्नति में सहायक रहा। सीईएल की विकास और प्रौद्योगिकीय

आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न स्तरों पर नियमित भर्तियों की प्रक्रिया अपनाई गई है।

वर्ष के दौरान आरक्षित श्रेणियों जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग जनों, भूतपूर्व सैनिकों आदि से सम्बन्धित सभी सरकारी निदेशों का निरन्तर अनुपालन किया गया। 31.03.2019 को सीईएल में कर्मचारियों की कुल संख्यां 366 है।

31 मार्च, 2019 की स्थिति अनुसार सीईएल में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अन्य श्रेणियों के कर्मचारियों के विवरण निम्नानुसार हैं:

कर्मचारियों की श्रेणी	**31.03.2019 को**	
	कार्यकारी अधिकारी	**गैर कार्यकारी अधिकारी**
अनुसूचित जाति	22	55
अनुसूचित जनजाति	0	0
अन्य पिछड़ा वर्ग	10	17
दिव्यांग	4	8
सामान्य	129	121